Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 7

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

क्षेत्रीय आकांक्षाएं - किसी विशेष क्षेत्र या भाषायी समूह के द्वारा अपनी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक पहचान को बनाये रखने के लिए, या उन्हें बढ़ावा देने के लिए जो मांगे की जाती हैं

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- 1980 के दशक में असम, पंजाब, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में उठी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के बारे में।
- क्षेत्रीय आकांक्षाओं और उनसे उपजे तनाव को किन कारणों से बल मिलता है?
- भारत सरकार ने ऐसी चुनौतियों और तनावों के प्रति क्या कदम उठाए?
- लोकतांत्रिक अधिकारों और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन साधने में किस किस्म की कठिनाइयां आती हैं?
- लोकतंत्र में विविधताओं के बीच एकता कायम करने की लिहाज से हमें क्या सीख मिलती है?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1980 - इ. गांधी
1984 - राजीव गांधी

स्वतंत्रता

1980 का दशक

स्वायत्ता की मांग का दशक

देश के कई हिस्सों में स्वायत्ता की मांग उठी।

इसने संवैधानिक हदों को भी पार किया।

लोगों ने अपनी मांग के पक्ष में हथियार उठाये।

सरकार की जवाबी कार्यवाही

राजनीतिक तथा चुनावी प्रक्रिया अवरुद्ध

संघर्ष विराम

सुलह से समझौते से

बातचीत का लक्ष्य - विवाद के मुद्दों को संविधान के दायरे में रहकर निपटा जाये।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आंदोलन

दबाव समूह

राज दल

भारत सरकार का नजरिया

विविधता के सवाल पर लोकतांत्रिक दृष्टिकोण

लोकतंत्र क्षेत्रीयता को राष्ट्र विरोधी नहीं मानता

लोकतांत्रिक राजनीतिक दल में विभिन्न दल और समूह क्षेत्रीय पहचान, आकांक्षा या किसी क्षेत्र समस्या को आधार बनाकर लोगों की भावनाओं की नुमाइंदगी करते हैं।

लोकतांत्रिक राजनीति में क्षेत्रीय आकांक्षाएं और बलवती

लोकतांत्रिक राजनीति

क्षेत्रीय मुद्दों और समस्याओं पर नीति–निर्माण की प्रक्रिया में समुचित ध्यान

तनाव

- कभी–कभी राष्ट्रीय एकता के सरोकार क्षेत्रीय आकांक्षाओं पर भारी।
- क्षेत्रीय सरोकारों के कारण राष्ट्र की वृहत्तर आवश्यकताऐं उपेक्षित
- राजनीतिक संघर्ष

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तनाव के दायरे

- आजादी के तुरंत बाद देश के विभाजन, विस्थापन, देशी रियासतों के विलय और राज्यों के पुनर्गठन जैसे - कठिन मसले।

जम्मू–कश्मीर का मसला

- सिर्फ भारत पाक संघर्ष का मामला नहीं
- कश्मीर घाटी के लोगों की राजनीतिक आंकाक्षओं का सवाल भी

- आजादी के तुरन्त बाद -

- पूर्वोत्तर → नागालैंड, मिजोरम → भारत के अंग होने के मामले पर सहमति नहीं।

- दक्षिण भारत में द्रविड़ आंदोलन - अलग राष्ट्र की मांग

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भाषा के आधार पर राज्य गठन की मांग

- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में ऐसे आंदोलन।
- तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ विरोध आंदोलन।
- पंजाबी - भाषी लोगों ने अपने हित अलग राज्य बनाने की मांग उठायी।
- 1966 में पंजाब और हरियाणा नाम से राज्य बनाए गए।
- छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और झारखंड का गठन हुआ।

2000

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- क्या हर परेशानी का हल निकाल लिया गया?
- कश्मीर और नागालैंड की समस्या विकट और जटिल
- कैसे हुआ इसका समाधान?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कश्मीर मुद्दा

- भारत–पाक के बीच एक बड़ा मुद्दा
- जम्मू एवं कश्मीर में तीन राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र
  - कश्मीर → कश्मीर घाटी कश्मीर का दिल
    - कश्मीरी बोली बोलने वाले ज्यादातर लोग मुस्लिम
    - अल्पसंख्यक हिंदु भी
  - जम्मू → पहाड़ी तलहटी एवं मैदानी इलाकों का मिश्रण → हिंदु, मुस्लिम और सिक्ख आदि धर्मों और कई भाषाओं के लोग
  - लद्दाख → पर्वतीय इलाका → बौद्ध, मुस्लिमों की आबादी → आबादी बहुत कम
- इस मुद्दे के कुछ बाहरी तो कुछ भीतरी पहलू
  - कश्मीर का सवाल
  - J & K की राजनीति स्वायत्तता का मसला

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

समस्या की जड़ें

- 1947 से पहले जम्मू-कश्मीर में राजशाही थी।
- इसके हिंदू शासक हरिसिंह भारत में शामिल नहीं होना चाहते थे और उन्होंने अपने स्वतंत्र राज्य के लिए भारत और पाकिस्तान से समझौता करने की कोशिश की।
- पाकिस्तानी नेता सोचते कि कश्मीर पाकिस्तान से संबद्ध है, क्योंकि राज्य की ज्यादातर आबादी मुस्लिम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

JKNC

नेशनल कॉन्फ्रेंस — नाम - 1939

स्थापना - 15 oct 1932

संस्थापक - शेख अब्दुल्ला
- चौधरी गुलाम अब्बास

नेता - फारूक अब्दुल्ला

कश्मीर के लोग - सबसे पहले अपने को कश्मीरी, बाद में कुछ और मानते।

नेशनल कांफ्रेंस

एक धर्मनिरपेक्ष संगठन

नेतृत्व

शेख अब्दुल्ला

जन–आंदोलन

महाराजा पद छोड़े।

पाकिस्तान में जाने के खिलाफ

कांग्रेस के साथ में काफी समय तक गठबंधन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान ने कबायली घुसपैठियों को अपनी तरफ से कश्मीर पर कब्जा करने भेजा।
- कश्मीर के महाराजा ने भारत से मदद मांगी।
- भारत ने सैन्य मदद उपलब्ध करवाई और कश्मीर घाटी से घुसपैठियों को खदेड़ा।
- महाराजा ने भारत संघ में विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किये।
- सहमति :- स्थिति सामान्य होने पर जम्मू-कश्मीर की नियति का फैसला जनमत सर्वेक्षण के द्वारा।
- मार्च 1948 में शेख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री बने।
- भारत कश्मीर की स्वायत्ता को बनाए रखने पर सहमत
- संविधान में धारा 370 का प्रावधान।

धारा-370

J&K - विशेष राज्य दर्जा

J&K पुनर्गठन अधि. 2019 के तहत हटा दिया गया।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बाहरी विवाद

भारत का दावा

LAC

अवैध अधिग्रहण

पाकिस्तान का रवैया

आजाद कश्मीर

कश्मीर घाटी पाक का हिस्सा

1947 में कबालयी आक्रमण

राज्य का एक हिस्सा पाक नियंत्रण में

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आंतरिक विवाद

कश्मीर को संविधान में विशेष दर्जा

धारा 370 के तहत

संसद द्वारा पारित कानून राज्य में उसकी सहमति के बाद ही लागू

राज्य का अपना संविधान

भारतीय संविधान सारी व्यवस्थाएं यहां लागू नहीं

दो विरोधी प्रतिक्रियाएँ

- राज्य के विशेष दर्जे से यह भारत के साथ नहीं जुड़ पाया।
- धारा 370 समाप्त करके को अन्य राज्यों के समान ही होना चाहिए।

- जम्मू–कश्मीर को इतनी भर स्वायत्ता पर्याप्त नहीं।
- भारत सरकार ने जनमत संग्रह के वादे को पूरा नहीं किया।
- धारा 370 के तहत विशेष दर्जा पूरी तरह अमल में नहीं लाया गया।